दिनांक 06 फरवरी 2018 को अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ के हिंदी विभाग के तत्वावधान में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया जिसका विषय था – "हिंदी कहानी : मुंशी प्रेमचंद।"

महाविद्यालय प्राचार्य डॉo कृष्णकांत गुप्ता की सत्प्रेरणा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेकानेक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इसी श्रृंखला में यह अतिथि व्याख्यान सुप्रसिद्ध कहानीकार एवं हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत डॉo सुदर्शन रत्नाकार द्वारा दिया गया। हिंदी कहानी साहित्य की एक ऐसी विधा है जो अपने उदभाव से लेकर आज तक अपनी पहचान बनाये हुए हैं। कहानियों के माध्यम से हम समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वासों, पाखंडों इत्यादि को समझकर समाज सुधार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहानी के इन सभी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए डॉo सुदर्शन रत्नाकर ने मुंशी प्रेमचंद की कहानियों के उदाहरण देते हुए आधुनिक कहानियों पर भी चर्चा की और उनकी मूल संवेदनाओं पर भी प्रकाश डाला तथा प्रेमचंद को कालजयी साहित्यकार मानते हुए उन्हें वर्तमान में में भी प्रासंगिक माना।

हिंदी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनंद और उनके सहयोगी डॉo रेनू माहेश्वरी एवं डॉo बांके बिहारी के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हुआ और निश्चित रूप से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।